भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या 1257
गुरुवार, 9 फरवरी, 2023/20 माघ, 1944 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

आर.सी.एस. उड़ान की उपलब्धियां

1257. श्री रंजीतसिन्हा हिंदूराव नाइक निम्बालकर:
श्री एस.सी. उदासी:
श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगारे:
श्री अरुण साव:
श्री दिलीप शइकीया:

क्या नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि महाराष्ट्र, कर्नाटक और पूर्वोत्तर राज्यों सहित देश में क्षेत्रीय संपर्क योजना- उड़ान के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (जनरल (डा.) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त))

नागर विमानन मंत्रालय ने, अपरिचालित और अल्प-परिचालित हवाईअड्डों से देश भर में क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने और आम जनता के लिए हवाई यात्रा को किफ़ायती बनाने के उद्देश्य से दिनांक 21.10.2016 को क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) - उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) शुरू की है। इच्छुक एयरलाइनें विशिष्ट मार्गों पर मांग के अपने आकलन के आधार पर, उड़ान योजना के तहत बोली लगाने के समय अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं।

दिनांक 31.01.2023 की स्थिति के अनुसार, उड़ान योजना के तहत अब तक 9 हेलीपोर्ट्स और 2 वाटर एयरोड्रोम्स सहित 73 हवाईअड्डों को जोड़ते हुए कुल 461 मार्गों पर प्रचालन आरंभ किया जा चुका है। उड़ान योजना की शुरुआत से अब तक 113.80 लाख से अधिक लोगों ने इसका लाभ उठाया है।
उड़ानों के प्रचालन के लिए, क्रमशः महाराष्ट्र के छः प्रमुख हवाईअड्डों नामतः कोल्हापुर, जलगाँव, नांदेड़, नासिक, गोंदिया और सिंधुदुर्ग को शामिल करते हुए 73 मार्ग तथा कर्नाटक के छः हवाईअड्डों, नामतः बीदर, मैसूर, विद्यानगर, हुबली, कलबुर्गी और बेलगावी को शामिल करते हुए 98 मार्गों पर प्रचालन आरंभ किया जा चुका है।

उड़ान योजना के तहत, पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों में रूपसी, तेजू, तेजपुर, पासीघाट, जोरहाट, लीलाबारी, शिलांग, पाक्योंग, ईटानगर और दीमापुर को शामिल करते हुए 58 मार्गों पर प्रचालन आरंभ किया गया है।

*****